इबोला रक्तस्रावी बुखार (Ebola Hemorrhagic Fever)

sanskritiias.com/hindi/pt-cards/ebola-hemorrhagic-fever

- इबोला रक्तस्रावी बुखार मनुष्यों में होने वाला एक गंभीर तथा दुर्लभ रोग है। **इसे इबोला वायरस रोग (EVD) के रूप में भी जाना जाता** है। यह रोग इबोला वायरस के कारण होता है।
- **इबोला वायरस का संबंध फिलोविरिडे (Filoviridea) कुल** से है। इस वायरस की **पाँच प्रजातियों की पहचान की गई है, जो हैं - ज़ायरे, बुंडिबुग्यो, सूडान, रेस्टन एवं ताई फॉरेस्ट।**
- यह वायरस **जंगली जानवरों; जैसे- चमगादड़, चिंपैंजी, गोरिल्ला आदि के माध्यम से मनुष्यों में फैलता** है। विदित है कि यह वायरस वायु के द्वारा नहीं फैलता है।
- इस रोग के प्रमुख लक्षण; बुखार, माँसपेशियों में दर्द, आंतरिक एवं बाह्य रक्तस्त्राव, उल्टी एवं दस्त आदि हैं। इसके लक्षण 2 से 21 दिनों के भीतर प्रकट होते हैं। यह एक जानलेवा रोग है, जिसमें 50% से 90% मामलों में रोगी की मृत्यु हो जाती है। **इस रोग का अभी तक कोई प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं** है।
- ध्यातव्य है कि **इबोला वायरस की खोज सर्वप्रथम वर्ष 1976 में कॉन्गो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) में इबोला नदी के निकट** हुई थी। हाल ही में, डी.आर.सी. ने अपने यहाँ इबोला प्रकोप की समाप्ति की घोषणा की है।

IAS / PCS
Online Video Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for
Next 500 Students
Online
Learning
Programme
JOIN NOW

IAS / PCS
Pendrive Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for Next
500 Students